जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 98
दिनांक 30.05.2023

गुणवत्ता पूर्ण शोध व सही रोडमेप कृषि को नये आयाम प्रदान करेगी –डॉ. दिनेश मारोठिया

2 दिवसीय कृषि अर्थशास्त्री विशेषज्ञों का आंचलिक सम्मेलन का हुआ भव्य समापन
बेस्ट पोस्टर प्रजेंटेशन हेतु शोधार्थी हुये सम्मानित

जबलपुर 30 मई, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के तत्वाधान में कृषि अर्थशास्त्र एवं प्रक्षेत्र प्रबंध विभाग, जबलपुर द्वारा भारतीय कृषि अर्थशास्त्र समिति, मुम्बई के सहयोग से कृषि क्षेत्र के अभिनव नीतिगत कार्यक्रमों पर प्राथमिक अंतःदृष्टि एवं उभरती संभावनाओं के परिप्रेक्ष्य में दो दिवसीय आंचलिक सम्मेलन का मंगलवार को डॉ. दिनेश मारोठिया, अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चर इकानॉमिक्स,मुम्बई की गरिमामय उपस्थिति में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने की। इस अवसर पर डॉ. दिनेश मारोठिया, अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चर इकानॉमिक्स,मुम्बई ने मुख्यअतिथि की आसंदी से कहा कि सरकार बहुत सी नई योजनायें लेकर आ रही है, जिससे इसका आगे चलकर किसानों को फायदा मिलेगा। कार्यशाला में जो कुछ भी मंथन हुआ है भविष्य में इस पर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जायेगा। आज के बदलते परिवेश में कृषकों को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ग्रामीण क्षेंत्रों में रिसोर्स जल,जमीन,जंगलों कों संरक्षित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाये। इस तरह की कांफ्रेंस हमारे कृषकों के लिये भविष्य में उद्यमी बनने के लिये कारगर सिद्ध होगी। डॉ. मारोठिया ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार विभिन्न नवाचार को प्राथमिकता के साथ मूल्य वर्धित कर कार्यन्वित करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पेपर्स, रिसर्च एवं सही रोडमेप द्वारा सही दिशा में बेहतर कार्य करने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा अपने उद्बोधन में कहा कि यह सम्मेलन बहुत ही उपयोगी साबित होगा, इसके माध्यम से सभी कृषि अर्थशास्त्री डिजीटल प्लेटफार्म के माध्यम से जुड़कर लगातार नई–नई कृषि विकास की बातों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।

कृषि अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष एवं प्रक्षेत्र प्रबंधन, डॉ. एस.बी. नाहटकर ने स्वागत उद्बोधन एवं 2 दिवसीय सम्मेलन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दीपक राठी द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र उड़ीसा, झारखंड एवं अन्य राज्यों के लगभग 125 कृषि अर्थशास्त्र, शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता एवं शोध विद्यार्थी सम्मिलित हुए एवं अपने शोध की जानकारी, पोस्टर प्रदर्शन द्वारा दी। समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा **बेस्ट पोस्टर प्रजेंटेशन हेतु 4 थीम के अनुसार शोधकर्ता व वैज्ञानिक प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।** जिसमें टैक्नीकल इनोवेशन में प्रथम डॉ. परवेज राजन, द्वितीय श्री बी.एल.ओशारी, इन्स्टीट्यूशनल इनोवेशन में प्रथम श्रुति मिश्रा, द्वितीय श्री संजय कुमार जोशी, प्रोडक्ट इनोवेशन में प्रथम पूनम चतुर्वेदी, द्वितीय डॉ. एस.एम. इंग्ले, मार्केटिंग इनोवेशन में प्रथम सुनीता सूर्यवंशी, द्वितीय श्री एस.एम, जौहरापुरकर को प्रदान किया गया।

कार्यशाला में डॉ. रमेश मित्तल, निदेशक, चौधरी चरण सिंह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग,जयपुर, डॉ. कमल वट्टा, विभागाध्यक्ष कृषि अर्थशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब इसके अलावा कार्यशाला में डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, भूतपूर्व प्रोफेसर डॉ. एन.एल. इदनानी, डॉ. बिपिन ब्यौहार, डॉ. ए.के. सरावगी, डॉ. दीपक राठी, संयुक्त संचालक कृषि श्री के.एस. नेताम, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. पी.पी. बानी सहित अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कृषि अर्थशास्त्र, शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता एवं शोध विद्यार्थी सम्मिलित हुये। इस सम्मेलन को सफल बनाने में श्री दीपक पाल, डॉ. लवीना शर्मा, श्रीमति लक्ष्मी ठाकुर, श्री हेमन्त राहंगणाले, श्री जय वर्मा एवं समस्त प्राध्यापक,कृषि अर्थशास्त्र विभाग व आईएबीएम के विद्यार्थियों का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

क्या रहा दो दिवसीय सम्मेलन में खास–दो दिवसीय सम्मेलन में चार तकनीकी सत्र, जिसमें तकनीकी नवाचार, विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार उत्पाद, कृषि मार्केट के क्षेत्र में नवाचर जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। इसमें माइक्रो इरिगेशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसानों की आय पर केसीसी का प्रभाव, उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी तकनीकी का नवाचार, भारत में कृषि उद्यमिता एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर सिल्क, कृषि क्षेत्र में डिजीटल मार्केटिंग विषयों पर विशेष मंथन एवं कार्य योजना तैयार की गई। जो आगामी समय में कृषि में कृषकों हेतु उपयोगी साबित होगी।